विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 21 से 26 अगस्त 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 13 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

कुछ लोग हर बात पर झूठ बोलते हैं. कई बड़बोले होते हैं 10 रूपए के खर्च को 100 बताते हैं. ऐसा करने से उन्हें क्या मिलता है, यह वही जानें लेकिन इससे उनका पाप पक्का बढ़ता है. झूठ बोलने से बचने का प्रयास करें. वर्ना यह कब मुसीबत में डाल देता है, हमें पता भी नहीं चलता है.

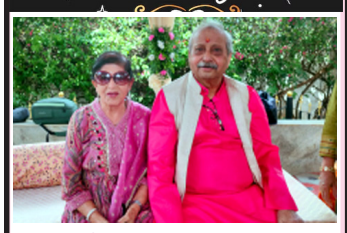

अमरावती को रक्तदान के क्षेत्र में नेशनल स्तर पर पहचान दिलाने वाले डॉ.चंद्रभान दारा-पुष्पा दारा ने दांपत्य जीवन के 50 साल सफलतापूर्वक पूरा किया. डॉ.चंदभान दारा-सौ.पुष्पा दारा को शादी की स्वर्णिम सालगिरह पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की शुभकामनाएं.विशेष लेख पेज 3 पर

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

निजी अस्पतालों में नहीं हैं मूलभूत सुविधाएं

स्वास्थ्य विभाग के निरीक्षण में मिली कई शिकायतें , राज्य में हैं 26354 अस्पताल

विदर्भ स्वाभिमान, 20 अगस्त मुंबई / अमरावती-स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में गरीब आदमी के लिए कठिन से कठिन स्थिति आज भी बरकरार है. आजादी के बाद यद्यपि सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों के माध्यम से हर गरीब को बेहतरीन उपचार देने का प्रयास किया गया है लेकिन आज भी सरकारी अस्पतालों पर लोगों का पूरा भरोसा नहीं रहा है. इसके लिए कई बार भारी भरकम वेतन उठाने के बाद भी दायित्व उठाने की कमी और संवेदनशीलता की कमी को जिम्मेदार माना जाता है. आए दिन सरकारी अस्पतालों में मरीज की मौत होने के बाद यहां पर जिस तरह का तांडव किया जाता है उसके चलते सरकारी अस्पतालों की साथ जहां प्रभावित हो रही है वहीं प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान 20-20 अस्पताल महाराष्ट्र नर्सिंग अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए पाए गए. इन अस्पतालों में मरीज के लिए मूलभूत सुविधाएं भी नहीं रहने की बात सामने आई है. ऐसे अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग ने नोटिस जारी किया है और 30 दिन के भीतर नियमों की पूर्ति करने का निर्देश दिया है.

हैरत की बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्देश देने के बाद भी निजी अस्पतालों ने इन बुनियादी सुविधाओं के मामले में आंखें बंद की है और मरीज से भरपूर पैसा लेने के बाद भी उन्हें सही तरीके से उपचार में सहयोग नहीं किया जा सकता है. स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के मुताबिक नोटिस का सही जवाब नहीं देने पर इन अस्पतालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है.

निजी अस्पतालों का साल में दो बार निरीक्षण होना जरूरी है लेकिन स्वास्थ्य विभाग में अधिकारियों तथा कर्मचारियों की कमी के कारण यह व्यवस्था पूरी तरह से लागू करने में दिक्कत हो रही है. विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अस्पतालों का निरीक्षण करने का उद्देश्य केवल उन पर दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं है बल्कि इन अस्पतालों की कमियों को दूर कर इन्हें सुधारने के लिए समय देने का कार्य किया जा रहा है. राज्य में कुल 26354 अस्पतालों की जांच की गई इनमें से 5134 अस्पतालों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कई कमियां मिलीं स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 300 अस्पताल अलग-अलग कारणों से बंद हो चुके हैं.

गणोत्सव का उत्साह चरम पर, पवित्रता का सभी रखें विशेष ध्यान

विदर्भ स्वाभिमान,20 अगस्त मुंबई/अमरावती-गणेशोत्सव का पर्व शुरू होने में है. बुधवार 27 अगस्त से गणेशोत्सव शुरू होने वाला है. इस बार पहली बार राज्य सरकार ने गणेशोत्सव को राज्योत्सव का दर्जा देने के कारण भक्तों में अपार उत्साह है. अमरावती जिले के वायगांव में स्थिति श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में देशभर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं. सनातन धर्म में जो कुछ कहा गया है, वह पूरी तरह से सही रहता है.

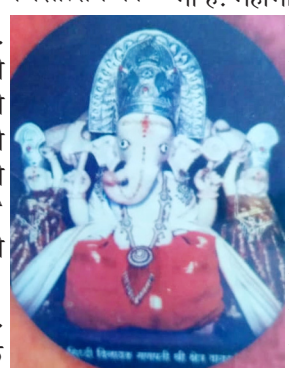

जिले के गणेशभक्तों के लिए श्री सिद्धि विनायक मंदिर वायगांव जहां आस्था का केन्द्र है, वहीं दूसरी ओर इस मंदिर का संबंध सीधे पांडवों से भी है. महाभारत से संबंध रखने वाला यह मंदिर अत्याधिक जागृत मंदिर है. गणेशोत्सव की तैयारी तेजी से जारी है.विदर्भ स्वाभिमान का विनम्र आग्रह है कि हमारे सनातन धर्म पर सभी की निगाहें रहती हैं, ऐसे में गणेशोत्सव के दौरान मंडप में ऐसे गीत नहीं लगाए जाएं, जिनसे हमारे देव की विडंबना हो. भक्तीपूर्ण गीत लगाएं, कोशिश यह करें कि गणेशोत्सव के माध्यम से सामाजिक काम हो,रक्तदान शिविर, साफ-सफाई अभियान, पौधारोपण जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए. गणेश मंडप में गलत गाने नहीं लगाना चाहिए.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 26वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

बला की बारिश ने बिगाड़ा किसानों का खेल

राज्य के साथ ही देश में लगातार बारिश अब बला की बारिश बन रही है. किसानों को खून के आंसू रूलाने वाली इस बारिश के कारण राज्य सरकार भी दिक्कत में आ गई है. अमरावती में जहां हजारों हेक्टेयर कृषि खेती का नुकसान हुआ है वहीं दूसरी ओर संतरा उत्पादकों से लेकर सोयाबीन, कपास तथा तुवर की फसल को भारी नुकसान होने से किसने की फिर एक बार कमर टूट गई है. यह भी कैसी विडम्बना है प्रकृति की मार सबसे अधिक किसानों को ही सहनी पड़ती है. कभी बारिश नहीं होने से और कभी बाढ़ आने से हमेशा नुकसान सबसे अधिक मेहनत करने वाले किसानों को ही होता है. जहां तक अमरावती जिले का सवाल है अमरावती में बारिश के कारण किसानों का भारी नुकसान हुआ है और किसान फिर एक बार गहरी मुसीबत में आ गए हैं. इसे सौभाग्य कहीं या दुर्भाग्य किसान सभी का पालनहार होता है अगर वह अनाज नहीं अप जाए तो इंसान की नहीं सकता लेकिन दुर्भाग्य यह है कि कभी सरकारी बार और कभी आसमानी मार के कारण वह हमेशा मुसीबत में रहता है. राजधानी मुंबई जो कभी थमती नहीं है, दो दिनों से लगातार जारी मूसलाधार बारिश ने इस महानगर को पूरी तरह से चपेट में ले लिया और मंबई में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से हस्त व्यस्त हो गई है राज्य में 14 लाख एकड़ में फसलों को बारिश ने अपनी चपेट में ले लिया है जबकि मराठवाड़ा में बारिश ने इस तरह का कोहराम मचाया कि यहां 11 लोगों की मौत हो गई है. कोरोना के बाद से लगातार किस किसी ने किसी मुसीबत में ही है यही कारण है कि किसान आत्महत्याएं भी बढ़ गई है. किसी परिवार का प्रमुख जब आत्महत्या कर लेता है उस समय उस परिवार का दर्द क्या होता है, इसकी कल्पना केवल उसे परिवार के सदस्य ही कर सकते हैं. ऐसे में राज्य सरकार को प्राथमिकता के आधार पर किसानों की तत्काल मदद करते हुए किसानों को सहारा देने का प्रयास करना चाहिए. ग्लोबल वार्मिंग के कारण इस बार की बारिश ने कई अलग रूप दिखाएं इसमें शहर के एक इलाके में बारिश होती थी तो दूसरे इलाके में धूप जैसी स्थिति का भी निरीक्षण इस पर पर्यावरण प्रेमियों ने किया. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस स्वयं किसानों को अत्यधिक चाहते हैं और उनके दर्द को समझते हैं ऐसे में यह उम्मीद करना गलत नहीं होगा कि वह किसानों की मसीबत को समझते हुए फसलों की बर्बादी के लिए बिना विलंब किए किसानों को तत्काल आर्थिक मदद देकर उन्हें संभालने का कार्य करेंगे. वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने वाले उपमुख्यमंत्री अजित पवार, एकनाथ शिंदे के साथ पूरी राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी रहेगी.किसानों के फसलों के नुकसान को लेकर सरकार ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल समुचित कदम उठाना चाहिए. पंचनामा करते हुए किसानों कीमदद हो और किसानों को भी आत्महत्या नहीं करते हुए जिंदगी रूपी संघर्ष से लड़कर सफलता की सोच रखनी चाहिए. वर्ना परेशानी तो सभी को है, आत्महत्या इलाज नहीं हो सकता.

ट्रंप महाशय,अब वह भारत नहीं है

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर टेरिफ बढ़ाने को लेकर मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि उसके लिए राष्ट्रीय हित सर्वोपिर हैं. ऐसे में अमेरिका को नहले पर दहले वाली स्थिति का सामना करना पड़ेगा. भारतीयों को अमेरिका की वस्तुओं का भी बहिष्कार करते हुए स्वदेशी वस्तुओं परध्यान देना चाहिए.

भारत में ट्रंप द्वारा 50 फ़ीसदी टैरिफ बढ़ाने के बाद जिस तरह के सख्त कदम उठाए हैं, उसके चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा जिस तरह से अमेरिका पर लगातार दबाव बनाया गया और भारत ने स्पष्ट किया कि उसके लिए राष्ट्रीय हितों से बढ़कर कुछ नहीं है और अमेरिका के सामने भारत किसी भी कीमत पर नहीं झुकने वाला है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर 25 फ़ीसदी टैरिफ लगा चुके हैं और रूस से भारत द्वारा तेल खरीदने को लेकर अमेरिका द्वारा अतिरिक्त 25 प्रतिशत टेरीफ लगाया गया है. भारत पर 50 फ़ीसदी टैरिफ लगाने के लिए अब केवल 48 घंटे बचे हैं लेकिन झुकेगा नहीं साल के सिद्धांत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया है कि भारत के लिए उसके राष्ट्रीय हितों से बढ़कर कुछ नहीं है और अमेरिका की यह हेकड़ी उनके शासनकाल में बिल्कुल नहीं चलेगी.

भारत जहां अपने सख्त रवैया पर कायम है वहीं दूसरी ओर अमेरिका पर लगातार दबाव बनाकर उसे यह संदेश देने का प्रयास कर रहा है कि यह वह भारत नहीं है जब कोई कुछ भी लाद दे और उठाकर चलते चल दे यह वह भारत है जो अपने खिलाफ आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले की सजा आतंकवादियों के साथ पाकिस्तान को भी देने की ताकत रखता है. ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि भारत का संयम खत्म हो चुका है और वह अब अपने दुश्मनों के घर में घुसकर वार करता है. चार दिनों के ऑपरेशन में भारत ने जिस तरह से पाकिस्तान की कमर तोड़ दी और पाकिस्तान के सेना मुख्यालय की इमारत को नुकसान पहुंचा है और पाकिस्तान इतना सदमे में आ गया है कि वह अपना मुख्यालय बदलने पर विचार कर रहा है यह निश्चित ही हर भारतीय के लिए गर्व की बात है. अमेरिका ने भारत के साथ मनमानी करने का जो फैसला किया है उसका जवाब सरकार के स्तर पर प्रधानमंत्री जरूर दे रहे हैं लेकिन इसके साथ ही हर भारतीय कर्तव्य है कि वह विदेशी कंपनियों का बहिष्कार करें और भारत में ही निर्मित हर उसे वस्तु का उपयोग करें इससे भारत के रुपए का महत्व बढ़ेगा और डॉलर की कीमत घटने लगेगी. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रयासों से कई देशों को यह संदेश देने में सफलता हासिल की की कांग्रेस के समय का भारत अब नहीं रहा यह मोदी का भारत है और यहां पर ईंट का जवाब पत्थर से और गोलियों का जवाब मिसाइल से दिया जाता है. अमेरिका की हेकड़ी निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री मोदी के सख्त इरादे से फेल होने वाला है और इस मंच पर भी भारत अपनी ताकत का फिर एक बार पूरे विश्व को अहसास कराएगी इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए. पूरा देश राष्ट्रीय हितों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के साथ एकजुट हो जाना चाहिए और संकल्प करना चाहिए कि अमेरिका और चीन द्वारा निर्मित किसी भी वस्तु का उपयोग भारत नहीं करेगा. भारत आज विश्व का सबसे बड़ा बाजार है. जिस दिन हर भारतीय के मन में यही राष्ट्र प्रेम पैदा होगा उस दिन अमेरिका तो क्या अमेरिका का आप भी भारत को नहीं झुका सकेगा. प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के खिलाफ राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए यही संदेश दिया है कि अमेरिका के सामने भारत झुकेगा नहीं साला.

नींद का दुश्मन बन रहा मोबाइल

रात में सोने से एक घंटे पहले रख देना चाहिए शरीर से काफी दूरी पर

ज़ीवन का अभिन्न हिस्सा मोबाइल बन गया है. मोबाइल चार्ज करते हुए बगल में रखकर सोना एक आम गलती या बड़ी चूक हो सकती है. इससे हादसे के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है.

रात को सोते वक्त मोबाइल चार्ज पर लगाकर तकिये के नीचे या बगल में रख देते हैं?बहुत लोग ऐसा करते हैं पर क्या आप जानते हैं, इससे आपकी सेहत और सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ सकते हैं? क्यों है ये आदत खतरनाक? ओवरहीटिंग और फटने का खतरा बना रहता है. साथ ही विस्फोट से जान को भी खतरा रहता है. मोबाइल चार्जिंग के दौरान गर्म होता है. अगर तकिये के नीचे दबा हो, तो गर्मी बाहर नहीं निकल पाती और बैटरी फटने या आग लगने का ख़तरा बढ़ जाता है.चार्जिंग के समय मोबाइल से निकलने वाला इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन ज़्यादा होता है. सिर के पास रखने से नींद की गुणवत्ता, दिमाग की कार्यक्षमता और हार्मोन बैलेंस पर असर पड़ सकता है.सस्ते या डुप्लीकेट चार्जर से करंट लीक होकर झटका या आग का कारण बन सकता है. ख़ासकर जब आप सो रहे हों.

घर में मोबाइल चार्ज करते वक्त मोबाइल को हमेशा 2-3 फीट दूर रखें.

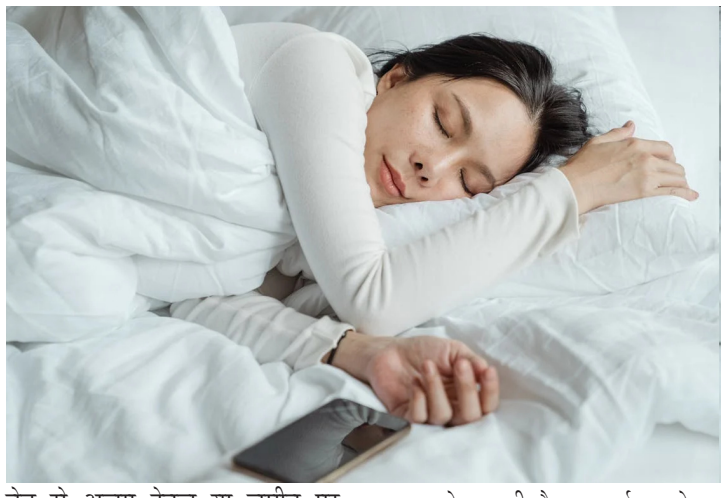

बेड से अलग टेबल या ज़मीन पर रखें.सोने से पहले मोबाइल को चार्ज कर लें अगर ज़रूरी नहीं, तो रातभर चार्जिंग से बचें.ऑरिजिनल चार्जर ही इस्तेमाल करें.डुप्लीकेट चार्जर से गर्मी और शॉर्ट सर्किट का खतरा ज़्यादा होता है.

नींद के समय मोबाइल को फ्लाइट मोड में रखें या दूर रखें. रेडिएशन से बचाव होता है और नींद अच्छी आती है. तकिये के नीचे कभी भी मोबाइल न रखें. चाहे चार्जिंग हो या नहीं ये आदत ख़तरनाक साबित हो सकती है.एक छोटी सी आदत जो बड़ी सुरक्षा दे सकती है. मोबाइल पास में रखकर सोना आपकी ज़रूरत हो सकती है,पर चार्ज करते हुए पास रखना एक बहुत बड़ी गलती हो सकती है. आमतौर पर महिलाओं में मोबाइल पर अधिक देर तक देखने तथा उसे शरीर के पास ही रखने की आदत बढ़ रही है. इससे नींद प्रभावित हो रही है. मोबाइल अच्छा है लेकिन अति उपयोग उतना ही घातक भी है. इसलिए कोशिश यह करें कि जितना संभव हो सके, उसे शरीर से दूर रखने का रात में प्रयास करें. कईयों कीनींद की समस्या मोबाइल लगातार देखने से बढ़ रही है. लगातार मोबाइल देखने से आंख के साथ ही ब्रेन पर भी खतरनाक असर पड़ता है. इसलिए समझदारी से काम लेना जरूरी है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

उप्र में हर जिले में स्थापित होगी गौशालाएं

शानदार पहल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को देगी पतंजली योगपीठ साथ

विदर्भ स्वाभिमान, 20 अगस्त

लखनऊ- उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग ने राज्य भर में गौ संरक्षण, पंचगव्य उत्पादों, प्राकृतिक खेती और बायोगैस विकास को बढ़ावा देने के लिए पतंजलि योगपीठ के साथ साझेदारी की है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समर्थित इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक ज़िले में आदर्श गौशालाएँ स्थापित करना है, जो संरक्षण और ग्रामीण उद्योग केंद्रों के रूप में काम करेंगी.उत्तर प्रदेश गौ आयोग और पतंजलि ने गौ संरक्षण और ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया. इस प्रयास से निश्चित तौर पर गौमाता को सुरक्षा के साथ ही उनके दूध-दही और अन्य साहित्य का लाभ मिलेगा.

यूएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग ने पूरे राज्य में गौ संरक्षण, पंचगव्य उत्पादों, प्राकृतिक खेती और बायोगैस विकास के प्रसार के लिए पतंजलि योगपीठ के साथ समझौता किया है.अधिकारियों ने बताया कि यह समझौता आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि के सह-संस्थापक आचार्य बालकृष्ण के बीच हरिद्वार में हुई बातचीत के बाद हुआ.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जिन्होंने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया है कि गाय गाँव की उन्नति का

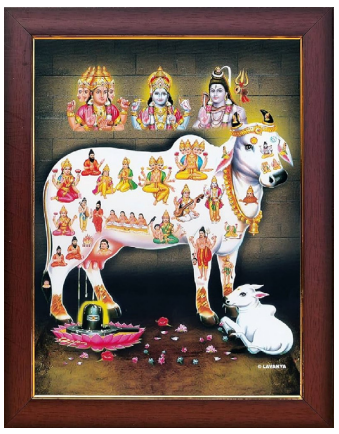

आधार है, ने भी इस योजना का समर्थन किया है. पतंजलि योगपीठ ने इस कार्यक्रम पर काम करने के लिए पूर्ण तकनीकी सहायता का आश्वासन दिया है.

इस योजना के तहत, उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में से प्रत्येक में दो से

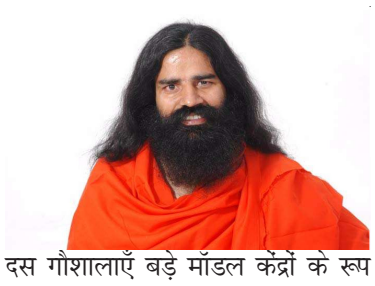

दस गौशालाएँ बड़े मॉडल केंद्रों के रूप में स्थापित की जाएँगी. ये न केवल संरक्षण केंद्रों के रूप में, बल्कि ग्रामीण उद्योग केंद्रों के रूप में भी कार्य करेंगी, जो पंचगव्य उत्पादों और बायोगैस के उत्पादन को बढ़ावा देंगी. मवेशियों की स्वतंत्र आवाजाही के लिए खुले शेड, बाड़ और सुरक्षा व्यवस्था के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत बनाया जाएगा.

इस कार्यक्रम से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े रोज़गार के अवसर भी पैदा होने की संभावना है. गौमूत्र संग्रहण और बिक्री ग्रामीणों द्वारा 50 प्रतिशत कमीशन के आधार पर की जाएगी.पतंजलि द्वारा प्रशिक्षण, गुणवत्ता जाँच, निर्माण, प्रमाणन और लाइसेंसिंग सहायता प्रदान की जाएगी.इस पहल के कारण जहां गौमाता का रख-रखाव होगा, वहीं दूसरी ओर लाभ होगा.

गतिविधियों के आधुनिकीकरण के लिए, गौशालाओं में जियो-फेंसिंग, गाय टैगिंग, फोटो मैपिंग और चारा सूची ट्रैकिंग जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा. इसके समानांतर, खेती के खर्च को कम करने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने के लिए गांवों को नीम, गोमूत्र और वर्मीकम्पोस्ट जैसे प्राकृतिक इनपुट उपलब्ध कराए जाएंगे.इसका दोहरा लाभ होगा.

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन में कई लोग स्वयं हजारों झूठ रोज बोलते हैं, सामाजिक कामों का दावा करते हैं लेकिन ऐसे लोगों द्वारा जब सच्चाई का महत्व बताना शुरू किया जाता है तो मेरे दिमाग को खटकता है. कई तो दिखाते अलग हैं, वास्तविक में रहते अलग हैं. बुजुर्गों के कल्याण का ढोंग करने वालों के स्वार्थ को मैने करीब से देखा है. वे भूल जाते हैं कि धर्म से भी खतनाक न्याय कर्म का होता है. वह कभी किसी से चूकता नहीं है. इसलिए सच्चाई को सदैव साथ दें, झूठ से दूर रहने का प्रयास करना चाहिए.

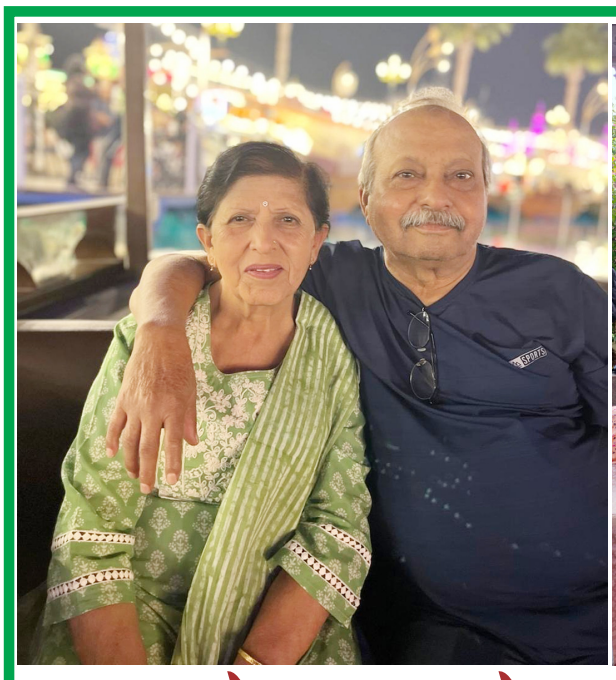

हम बने तुम बने एक दूजे के लिए

दारा दंपति की स्वर्णिम सालगिरह 24 अगस्त पर विशेष,परिवार करेगा भव्य आयोजन

जीवन में पत्नी से बड़ी सहयोगी और साथी कोई नहीं हो सकती है. दोनों के बीच अगर बेहतरीन तालमेल हो और समझदारी हो तो पूरा परिवार स्वर्ग बन जाता है. शहर के दारा परिवार जहां सामाजिक कार्यों के लिए, रक्तदान के क्षेत्र के लिए राज्य स्तर पर पहचाना जाता है वहीं दूसरी ओर डॉ. चंद्रभान दारा, श्रीमती पुष्पा दारा की शादी को 50 वर्ष पूरे हो गए हैं, इस उपलक्ष में स्वर्णिम विवाह वर्षगांठ के उपलक्ष में दोनों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

दारा दंपति मैं जहां एक दूसरे को लेकर अपार प्रेम, विश्वास और अपनापन है वहीं दूसरी ओर दोनों बेटे तथा बेटियों को भी उन्होंने आदर्श संस्कार देकर कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाया है. पुत्र मनीष, डा. रवि दारा के साथ बेटी डॉ.रेणु वालिया दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य विभाग में उच्च पद पर कार्यरत है. तीनों ही संतान आज माता-पिता के गौरव को जहां बढ़ा रही है, वहीं दोनों के बीच के समझदारी के उदाहरण न केवल सिंधी समाज बल्कि अन्य लोगों को दिया जाता है.

हंसमुख डॉ. चंद्रभान दारा जहां स्वास्थ्य सेवा में रहकर रक्तदान को जहां प्रोत्साहित किया वहीं आज अमरावती अगर रक्तदान के क्षेत्र में राज्य के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अगर सम्मानित माना जाता है तो इसका श्रेय उन्हें जाता है. परिवार में मनीष और रवि के बीच अपार प्रेम जहां राम और लक्ष्मण जैसे भाइयों की याद दिलाता है, वहीं बहन दिल्ली सरकार में उच्च पद पर रहने के बाद भी उनकी सादगी और विनम्रता निश्चित तौर पर माता-पिता के आदर्श संस्कार का उदाहरण कहना गलत नहीं होगा. 30 अगस्त को दारा दंपति की शादी की सालगिरह के 50 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा हो रहा है, एकदूसरे के सुख और दुख बांटते हुए यह समय कैसे बीत गया, इसका पता नहीं चला. 2 साल पहले जब होटल प्राइम पार्क में बच्चों ने माता-पिता की शादी की सालगिरह पर शानदार कार्यक्रम रखा था,उस कार्यक्रम के दौरान दारा परिवार को करीबी से देखने का मौका मिला, उस दौरान पुष्पा दारा द्वारा परिवार को किस तरह का आदर्श संस्कार दिया गया, किस तरह एकता के धागे में उन्होंने परिवार को संजोया, यह जानने का मौका मिला. वर्तमान दौर में शादी आज जहां कईयों के लिए मजाक बन गई है. वहीं डॉ.चंद्रभान-पुष्पाजी का आदर्श दांपत्य जीवन सभी के लिए अनुकरणीय कहा जा सकता है. शादी की सालगिरह की स्वर्ण वर्षगांठ पर इस दंपति को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. दोनों का खुशियों का साथ सदा बना रहे, भगवान बालाजी के चरणों में यही कामना.

सुभाष दुबे,संपादक

ध्यान से मन होता है सदा वश में

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-28, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी-ध्यान का अभ्यास करने से मन वश में होगा. चित्त भी एकाग्र होगा. बुध्दि के स्थिर होने से आनंद की पूर्ति होगी . अवनि में योग गुरु इसीको धारणा योग कहते हैं. समाधि योग कौन-सा है तो सुनो.

8. समाधि योग -आसन की सफलता से कुंभक सिध्दि के व्दारा निर्मल बने ज्ञान प्रकाश से मायांधकार को कुचल कर मानस-आत्मा के आकाश में तन्मयत्व और शांति को प्राप्त करके संयोग-वियोग सुख-दुखों को भुलाने से ब्रह्म-पद प्राप्त करने का भाव पैदा होगा. तब निश्चल आनंद के स्वानुभव का बोध ही समाधि स्थिति है.इस अष्टांग योग अभ्यास करनेवालों को यह समाधि ही फलप्रद हैं. ऐसे लोग ब्रह्म पद को प्राप्त करेंगे. यही स्थूल रूप से अष्टांग योग है. इनसे अलग मंत्र लय हठ राजयोग भी हैं. कहनेवाले वराह स्वामी को नमस्कार करके भूदेवी ने इस रूप में कहा. हे देव! अष्टांगयोग के बारे में नहीं जानती थी. अब आपसे उनके बारे में सुन लिया. अब मुझ पर दया करते हुए सुंदर मंत्र लय हठ और राजयोग के बारे में बताइए. तब श्वेत वराह स्वामी ने भूदेवी की ओर देखकर इस रूप में कहा. मंत्रयोग के बारे में बताऊँगा. सुनो

मंत्रयोग बिधान- सप्त कमल- मंत्रयोग का संकल्प करके विसर्जन अंग के समीप रहने वाले आधार कमल में व श ष स दलों पर दीपित होते गणेश वहाँ प्रकाशित होते रहते

हैं. उसके दो अंगुल ऊपर उत्पति के रूप में स्वादिष्ठान में व भ म य र ल आकार में सोलह दलों पर कुंडलिनी उत्पति का आधी बनती है. उसके ऊपर आठ अंगुल के आदि वर्णावली के साथ मिलकर दस दलों पर मणिपूरक नाड़ी रहती है. वहाँ विष्णु स्थिति कर्ता बन कर रहते हैं. फिर दस अंगुल के ऊपर हृदय के समीप अनाहत पद्म रहता है. वह ठांत वर्ण में बारह दलों पर अधिनायक लयकार रुद्र रहते हैं .उसके बाद बारह अंगुलों के ऊपर विशुध्द रूप में माने जाने वाले कंठ के पास अ आ सोलह दलों में दीपित होनेवाले सदाशिव वहाँ रहते हैं. उसके ऊपर नाज्ञाभिधान चक्र में ह आकार रहता है. वहाँ अतिकोमल परमात्मा रहता है. उसके ऊपर सहस्त्रार कमल शीर्ष के पास दीपित रहता है. यह अमृत स्थान है. देह वृक्ष के लिए वह मूल है.वहाँ पर गुरु निवास रहता है.यहाँ पिंगल एक विंशति सहस्त्रार और षट शत स्वास प्राणापान कलित होकर हंस के रूप में यजमान रहता है. ऐसी स्वास गणपति छः सौ जलज-संभव विष्णु और रुद्र के लिए छः सौ सदाशिव परमात्मा और गुरू को एक -एक लिए एक हजार स्वास होती हैं. इस प्रकार सप्त कमलों पर बैठनेवाले हंसों का काल क्रम इस प्रकार है.

हंसों का काल प्रमाण-आधार के पास छः हंसों के अर्पित होते समय एक-एक घड़ी दस विनाडियों के स्वाधिष्टान के पास छः हजार हंसों के अर्पित होते समय सोलह अर्ध घड़ी दस विघड़ी अनाहत में छः हजार हंसों का अर्पित होते समय सोलह विघड़ी वहाँ तक हंस चार हो जाते आज्ञा चक्र के पास सहस्त्र हंसों का समर्पित होते समय ढाई घड़ी सोलह विघड़ी वहाँ तक हंस चार हो जाते सहस्त्रार के पास सहस्त्र हंसों को समर्पित होते समय ढाई घड़ी सोलह विघड़ी वहाँ तक हंस चार हो जाते . इस रूप में हर दिन सारे जनों को साठ घड़ी होते हैं.

अजपा गायत्री-इस प्रकार प्रात काल से लेकर फिर परांकाल होने तक इक्कीस हजार छह सौ हंस अजपा में होते हैं.ऐसी अजपा गायत्री महामंत्र को गुरु मुख से जानकर,अरुणोदय के समय शुचि के साथ पद्मासन पर बैठ कर नासाग्र पर लक्ष्य करके सप्त कमलादि देवता को न्यास ध्यानपूर्वक अजपा गायत्री महामंत्र को समर्पित करते रहना ही मंत्रयोग है. अब लय योग कौन-सा है सुनो.

लय योग विधान-विजन स्थल में पद्मासन पर बैठकर नीचे नासिकाग्र को देखते ऊपर की साधना करते फिर नासिकाग्र को देखते नीचे की साधना करते हुए दोनों तर्जनियों से दोनों कर्ण व्दारों को दोनों नासिकाओं से दोनों नासिका व्दारों को बांध कर सिर को झुकाकर एकाग्र मन से बुध्दि से ऊर्ध्व की ओर देखना राधायंत्र मुद्रा हैं. इस मुद्रा का अभ्यास करने से ब्रह्म रंध्र से प्रणव नाद दशविध ध्वनियों के रूप में सनाई पड़ता है. वह ऐसा है कि पहले शिमजिनी गति दूसरा तरंग घोष तीसरा घंटारव चौथा वेणु नाद पाँचवा वीणा नाद छठा भेरी ध्वनि सातवाँ ताल ध्वनि आठवाँ शंखारव नौवाँ मृदंग नाद दयवाँ मेघनाद कानों में सुनाई पड़ता है. इस प्रकार क्रम-क्रम से नादानुसंधान करने से उसमें ये नवनाद लय हो जाते हैं. दसवाँ मेधनाद के समय श्रवण सहित मन से निर्व्यापार के रूप में रोक कर बाह्म जगत को भूल जाने से वह मानस पवन में लीन हो जाता है. यह नाद लीलानंद का अनुभव ही लययोगहै. अब हठयोग कैसा है सुनो.तिरूपति बालाजी की कृपा जीवन में जिसे मिल जाती है, उसका पूरा जीवन ही बदलने में समय नहीं लगता है. आजमाकर देख लो.

शेष अगले अंक में

बना रहे ये साथ, थामें एक दूसरे का हाथ,
मुबारक हो आपको, ये पचासवीं वर्षगांठ!

डा. चंद्रभान दारा-सौ. पुष्णा चंद्रभान दारा

के दांपत्य जीवन की 50वीं स्वर्णिम वर्षगांठ
पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं!

- शुभेच्छुक -

समस्त दारा परिवार, मित्र मंडल और
विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार.

संकल्प सेवा संस्था का साझा अलमारी से

विदर्भ स्वाभिमान, 20 अगस्त

अमरावती- कहते हैं कि व्यक्ति में अगर कुछ करने की तैयारी हो और सेवाभाव तथा समर्पण हो तो कोई काम कठिन नहीं होता है. संकल्प सेवा संस्था ने इस बात को साबित किया है. संस्था की अध्यक्षा नेहा चौधरी ने आपके अलमारी से उनके मुस्कान तक का अभियान चालू किया है.दान बने संवेदना की आवाज़ बनकर हजारों गरीबों और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां देने का काम कर रहा है. उनकी इस पहल की विदर्भ स्वाभिमान तहेदिल से सराहना करता है.

संकल्प सेवा संस्था ने समाजसेवा की मिसाल पेश करते हुए शहर के मूकबधिर विद्यालय में उपयोगी वस्त्र वितरित किए. इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान ने साबित किया कि दान केवल वस्त्र नहीं, बल्कि अपनत्व और संवेदना का प्रतीक है. सुनील केडिया,कमलेश खेतान,मीना केडिया,स्रचिता खेतान और स्रचि ककरानियां द्वारा साझा अलमारी के साथ जुड़कर एक सराहनीय कार्य को आरंभ किया.

विद्यालय प्रबंधन ने संकल्प सेवा संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल बच्चों को न केवल सहारा देती है, बल्कि समाज में विश्वास और आत्मीयता की डोर को भी मजबूत करती है.

संस्था की अध्यक्षा नेहा चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि परिवार और रिश्ते अपने हैं, लेकिन दान और सेवा ही सच्चा पुण्य है. जैसा कर्म वैसा फल यहीं स्वर्ग और यहीं नर्क है.दीपावली आ रही है,और सब के घर में लक्ष्मीजी के आगमन की तैयारी शुरू हो जाएगी,इसको ध्यान में रखकर साझा अलमारी आपकी अलमारी से

उनकी मुस्कान तक का सफर शुरू किया है. जो इच्छुक व्यक्ति अपने न काम आने वाले अतिरिक्त वस्त्र,कपड़े,खिलौने,और विविध वस्तु देना चाहते है और साझा अलमारी से जुड़ने के लिए संकल्प सेवा संस्था के पदाधिकारी नेहा चौधरी, किरण अग्रवाल और रश्मि अग्रवाल ने सत्कर्म करने का आग्रह किया है. दान करने वाली जो भी आप वस्तु दे, वापारने योग्य दे. वस्त्रों को त्द्धदृदत्दढ़ या इस्तरी कर के दे साझा अलमारी आपकी अलमारी से उनकी मुस्कान तक की अधिक जानकारी के लिए स्रचिता खेतान 8806878282,मीना केडिया 9422682538 एवं राजश्री अग्रवाल ,मंजू माधोगढ़िया, अनुराधा अग्रवाल,संतोष माधोगढिया, रूचि ककरानिया,सुनीता गोयल से जानकारी ले सकते है. साझा अलमारी के प्रकल्प प्रमुख तरु अग्रवाल ,सीमा माधोगढिया,पूजा सिंघानिया, वर्षा जालान,नीता केडिया है.बहुत जल्द आपको संपर्क नंबर और निश्चित स्थान बताया जाएगा.इस अभियान का संदेश स्पष्ट है-आपका छोटा-सा दान, किसी के जीवन में बड़ी उम्मीद बन सकता है. निश्चित तौर पर संस्था के माध्यम से वे समाज के ऐसे जरूरतमंदों को खुशियां बांटने का काम कर रही हैं, जिन्हें समाज से ऐसी अपेक्षा होती है.सभी को इस शानदार अभियान में सहयोग देकर सफल बनाना चाहिए.

कर्मभोगी नहीं, कर्मयोगी बनें

आदि से लेकर अंत तक मनुष्य के जीवन में 'कर्म' भरे पड़े हैं. परिवार के लिए अन्न, वस्त्र आदि की व्यवस्था, बच्चों की पढ़ाई, रोजी-रोजगार, बीमारियों का चक्कर, शादी-विवाह, मेल-मिलाप आदि तरह-तरह के कर्म उसे करते ही रहने पड़ते हैं. इतने और इतने से भी और न जाने कितने ज्यादा कर्मों के बीच 'कर्म-कुशलता' ही वह संबल है, जिसके आधार पर सभी ओर सफलता और सभी ओर सुख-संतोष पाया जा सकता है. अन्यथा, यदि एक कर्म सफल होकर अंजलि भर सुख देगा, तो चार असफल होकर पास की भी सुख-शांति छीन ले जाएँगे. 'कर्म-कौशल' इसी में है कि कामों की एक ऐसी व्यवस्था, ऐसा विधान बनाया जाए, जिसकी धुरी पर सारे कर्तव्य अपनी-अपनी कक्षा में वांछित गति से चक्कर लगाते रहें, जिससे हर काम पर दृष्टि रखी जाए और सब पर उचित ध्यान दिया जा सके. किन्हीं एक-दो स्रचिकर कामों से आसक्ति जोड़ कर बैठ रहना सारे कर्म-कलाप को छितरा देगा और तब उनको समेटने तथा सँभालने में इतना और अनावश्यक रूप में श्रम करना पड़ेगा कि जिंदगी बोझ बनकर रह जाएगी.

संपूर्ण 'कर्म-व्यवस्था' तभी ठीक रह सकती है, जब प्रत्येक कार्य को चतुराई के साथ अपेक्षित मनोयोग से किया जाए. मन से किया जाने वाला कार्य निश्चित तौर पर बेहतरीन परिणाम देता है. यही कारण है कि दिल से जो भी काम हम करते हैं, उसका परिणाम निश्चित तौर पर बेहतरीन ही रहता है. कर्मभोगी की बजाय जब हम कर्मयोगी बनता है तो निश्चित तौर पर हम काम की छाप पड़ती है. लेकिन केवल करने के लिए किया गया कार्य न स्वयं को न अन्यों को ही संतुष्टि देता है.

न तो किसी काम को छोड़ा ही जा सकता है और किसी को पकड़ कर बैठाया ही जा सकता है. समय और परिस्थिति के अनुसार सारे कामों को पूरा करना आवश्यक है. जिस ओर ध्यान न दिया जाएगा, उसी ओर अशांतिदायक अव्यवस्था फैल जाएगी. उदाहरण के लिए मान लीजिए, बच्चों को खूब खिला-पिलाकर स्वस्थ तो बना दिया, किंतु उनकी 'शिक्षा' की ओर ध्यान नहीं दिया, तो निश्चय ही वे अशिक्षित बच्चे आगे चलकर एक बड़ी अशांति एवं अव्यवस्था के कारण बनेंगे.लेकिन उन बच्चों को शिक्षा के साथ बेहतरीन संस्कार दिया जाए तो निश्चित ही वह बच्चे आगे बढ़ेंगे और तेजी से आगे बढ़ेंगे.

दिन और रात परिश्रम करके धन की प्रचुरता कर ली, पर उसको 'पुण्य, परमार्थ' अथवा अन्य आवश्यक कामों में व्यय करने में कृपणता की, तो क्या वह धन चोरों, डाकुओं, ईर्ष्यालुओं और शत्रुओं की दुरभिसंधि का केंद्र बनकर जीवन में भय और शंका उत्पन्न नहीं कहेगा? .क्या वह परिवार में 'कलह' और 'संघर्ष' का सूत्रपात नहीं करेगा ? दिनभर काम तो खूब किया जाए पर आहार की ओर ध्यान न दिया जाए, तो क्या स्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सकता है ? इसी प्रकार पत्नी को भोजन, वस्त्र तो प्रचुर मात्रा में दिया जाए, पर उसकी प्रेम-पिपासा की उपेक्षा कर दी जाए, तो क्या यह विश्वास किया जा सकता है कि वह संतुष्ट रहेगी और कलह अथवा क्लेश पैदा नहीं करेगी.

पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य

विदर्भ स्वाभिमान
मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

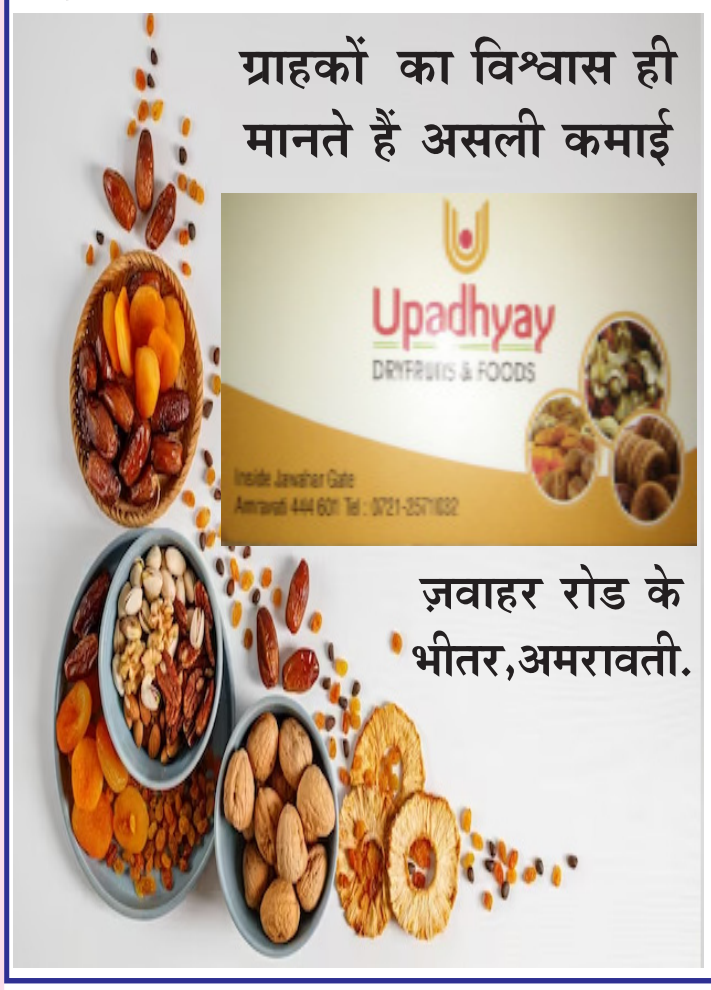

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मौसम के कारण बढ़ी बीमारियां, लोग हैं परेशान

विदर्भ स्वाभिमान,20 अगस्त

अमरावती- शहर के साथ ही देश में मौसम की आंखमिचौली के कारण कई बार परेशानियां हो रही हैं. इससे सर्दी-खांसी और बीमारी से लोग त्रस्त हो रहे हैं. थकान के साथ ही लोगों को बुखार की तकलीफ भी सताने लगी है. जिला अस्पताल के साथ ही जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी ओपीडी जहां बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में लोगों द्वारा बीमारी के कारण काम में उत्साह नहीं रहने की शिकायत की जा रही है. बताया जाता है कि मौसम में बदलाव का सबसे बुरा असर वात की शिकायत वालों के साथ ही बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक पड़ती है. डॉ. दिलीप सौंदले के मुताबिक यह कुछ दिनों तक रहने वाला है. चिंता की कोई बात नहीं है.

स्वाधीनता दिवस चिरायु होवो-अमरावती- सहकारिता क्षेत्र की सिरमौर अभिनंदन अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लि. के कैम्प रोड स्थिति मुख्यालय में स्वाधीनता दिवस राष्ट्रभक्तिपूर्ण माहौल में मनाई गई. ध्वजारोहण के पश्चात उज्जैन से पहुंचे शिव गुरू शर्मा, बैंक प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग,ओस्तवालजी,सीईओ शिवाजी देठे और सभी संचालकों के साथ संपादक सुभाष दुबे और बैंक के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे. इसका यादगार पल. इस मौके पर विदर्भ स्वाभिमान के सेवा,सहकार और स्वतंत्रता विशेषांक का विमोचन भी सभी मान्यवरों के हाथों किया गया.अधिकारियों -कर्मचारियों ने पूरा माहौल ही राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत कर दिया. इसकी सभी उपस्थितों ने सराहना की.

अमरावती- पार्वतीनगर निवासी मनोज चोरे के यहां आयोजित सत्कार कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी तथा युवा स्वाभिमान के कार्यकारी अध्यक्ष सचिन भेंडे ने सेवा-सहकार-स्वतंत्रता विशेषांक का अवलोकन किया. इस मौके पर आकर्षक डिजाइन तथा पूरे अखबार की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग सकारात्मक विदर्भ स्वाभिमान को देने का भरोसा दिलाया.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

धर्म से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है कर्म,अच्छा करें

जन्मदिन विशेष सेवाभावी हेमंतकुमार पटेरिया का मानना, दिल है साफ तो लाखों अपराध हैं माफ

जितना संभव हो अच्छे लोगों को सहयोग करना चाहिए, सच्चाई और ईमानदारी के साथ ही रिश्तों को स्वार्थरहित रहकर जीने और खुशियां बांटने का प्रयास करना चाहिए. इससे जीवन में कभी उलझन नहीं होती है. हम जब अच्छा करते हैं तो हमारा कभी भी बुरा नहीं होता है. दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जिसके पीछे परेशानी नहीं हो. लेकिन परेशानियों को हम कैसे हैंडल करते हैं, इस पर हमारी खुशियां निर्भर रहती है. इसलिए स्वयं भी खुश रहें, अपनों और संसार में हर संपर्क वाले व्यक्ती को खुश रखने का प्रयास करना चाहिए. ज़ो स्वयं खुश रहने की मानसिकता में रहता, उसे कभी कोई दुःखी नहीं कर सकता है. सदा सकारात्मक सोचें और अच्छा करें और बाकी को प्रेरित करें.

ज़ीवन में हमारे द्वारा किए जाने वाले कर्म से बड़ा न्यायाधीश कोई नहीं हो सकता है. यही कारण है कि जीवन में हमारा कर्म ही हमारा सबसे बड़ा मित्र अथवा शत्रु होता है. जिसका दिल साफ होता है, उसके लाखों अपराधों को भगवान भी माफ करते हैं. करीबी रिश्तों में कभी स्वार्थ नहीं होना चाहिए, ऐसे संबंध ही हमारी खुशी का माध्यम बनते हैं. स्पष्टता विचारों में होनी चाहिए जबकि शालीनता स्वभाव में होनी चाहिए. इस आशय के विचार रखकर जितना संभव हो, सभी की मदद करने का कार्य न्यू गणेश कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता हेमंतकुमार पटेरिया रखते हैं. 26 अगस्त को उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, भोलेनाथ के चरणों में यही कामना.

उनके मुताबिक हम एक इन्सान के रूप में जब किसी पीड़ित इन्सान की मदद करते हैं तो होने वाली खुशी का अंदाज नहीं लगाया जा सकता है. इसका अनुभव करने के बाद ही मिलता है.

गरीबों की मदद के साथ ही अन्नदान जैसे कार्यक्रम में हेमंतकुमार पटेरिया-अनुराधा पटेरिया का योगदान सबसे अधिक होता है. लेकिन कभी बताने का काम नहीं करते हैं. अत्याधिक करीबियों को ही यह पता है. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जिंदगी खुशी का ढेर है और दुखों का सागर है. लेकिन कौन इसे किस रूप में लेता है, इस पर जिंदगी की खुशियां और गम निर्भर रहते हैं. कुछ लोग जिंदगी को भगवान का सबसे बड़ा उपहार मानते हैं, वहीं कई लोगों के लिए जिंदगी खतरनाक अनुभव रहती है. लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो सीताराम सीताराम सीताराम कहिए, जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिए के सिद्धांत पर जीवन जीते हैं.ब्राह्मण महासंघ के पदाधिकारी हेमंतकुमार पटेरिया रिश्तों को निभाने वाले व्यक्ति हैं. यही कारण है कि हजारों मित्र परिवार पैदा किया है.उनका कहना है कि हमसे जितना अच्छा बन सकता है, करने का प्रयास करना चाहिए. बाकी कर्ता करविता तो ऊपरवाला ही होता है. वही अच्छे काम करने की प्रेरणा देता है. ज़ीवन में खुशियां,दुःख और अन्य घटनाक्रम नसीब का भाग होते हैं. वह भगवान राम, भगवान कृष्ण को जब नहीं चूका तो सामान्य इंसान को कैसे चूक सकता है. इसलिए सदैव आज में जीने और अपने सानिध्य के साथ ही साथ आने वालों को खुशियां बांटने का प्रयास करना चाहिए.परशुराम अन्नदान सेवा समिति के साथ ही दर्जनों संगठनों के माध्यम से सदैव जहां नेक कामों में योगदान देते हैं, वहीं कभी किसी को बताते नहीं हैं.भैया का 26 को जन्मदिन है, हमारी करोड़ों मंगलय हार्दिक शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु की कृपा उन पर सदैव बनी रहे, यही कामना. समाज के लिए भी पटेरिया दम्पति किसी नवरत्न से कम नहीं, खुश रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती

समझदारी, कर्मठता और रिश्ता निभाने वाले प्रदीप जैन

प्रदीप जैन भारतीय जैन संगठन के पदाधिकारी के साथ आनंद परिवार के संचालक हैं. सेवाभावना जहां कूट-कूटकर भरी है, वहीं हर रिश्ते को सच्चाई से निभाने का प्रयास करते हैं. उनका कार्य राज्यस्तर पर रहने के बाद भी उतनी ही समझदारी उन्हें हजारों मित्रों का चहेता बनाती है. 26 अगस्त को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वे सम्पन्नता में भी विनम्रता के परिचायक हैं, वहीं मित्रों के साथ ही हर रिश्ते को पूरी ईमानदारी से निभाते हैं. आनंद परिवार के संचालक, हम सभी के दिलदार यार और मानवसेवी कामों में समर्पित प्रदीप रूणवाल जैन का कहना है कि हमारे कर्म ही हमें अच्छा-बुरा परिणाम देते हैं. इसलिए जितना संभव हो, सदा अच्छा सोचो, अच्छा करो. फिर किसी की चिंता करने की जरूरत नहीं होती है. सभी को चाहने और आत्मीयता की उनकी अदा ही अलग है.भैया से परिचय होने के बाद उनकी आत्मीयता, उनकी सादगी, उनकी मित्रता की अदा के साथ ही मेहनत, लगन और समर्पण जैसी खूबियां अनुकरणीय हैं. वे कहते हैं कि जीवन प्रभु का उपहार है. जितना संभव हो सदैव अच्छा करने की कोशिश करनी चाहिए. जब हम अच्छा सोचते हैं और करते हैं तो प्रभु भी हमारा बुरा नहीं होने देते हैं.सेवा कामों में वे जहां समर्पित होकर करते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़े बंधु सुदर्शन गांग के आदर्श विचारों को अपनाते हुए जितना संभव हो सके, अच्छा करने का प्रयास करते हैं. मित्रता किस तरह निभानी चाहिए और सादगी के साथ ही विनम्रता किस तरह होनी चाहिए, इसकी परिभाषा प्रदीप जैन को कहना गलत नहीं होगा. उनकी सादगी, हर विषय की जानकारी रखने वाली अदा के साथ व्यवसायिक सफलता सराहनीय है.वे स्वस्थ रहें,मस्त रहें,विदर्भ स्वाभिमान प्रभु चरणों में यही कामना करता है.

प्रदीप जैन के जन्मदिन पर विशेष
विदर्भ स्वाभिान की शुभकामनाएं

गुरूवार 21 से 28 अगस्त 2025

मेष-यह सप्ताह आपके लिए अत्याधिक भाग्यशाली है. इस दौरान सोच-समझकर निवेश करें. वाहन धीरे से चलाने के साथ ही नाहक का तनाव लेने अथवा देने से बचने का प्रयास करेंगे.

वृषभ-स्वास्थ्य संबंधी समस्या परेशान कर सकती है. स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अधिक दौड़धूप से बचने का प्रयास करें. वाहन संभालकर चलाएं.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-नाहक किसी के साथ विवाद से बचें . वाहनादि के साथ भाग्य इस सप्ताह साथ देगा. मेहमानों का आगमन होकर घर में खुशी का माहौल रहेगा. अपने काम पर विशेष ध्यान देना आपके लिए बेहतरीन रहेगा.

मीन-यह समय आपके लिए लाभकारी है. थोड़ी मेहनत में भी आप सफलता प्राप्त कर सकते हैं. वाहनादि की खरीदी के साथ मेहमानों का आगमन होगा.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

गणेशोत्सव स्थापना क्यों करते

मौज-मस्ती नहीं संस्कृति,सनातन धर्म मजबूत करने का बनाना चाहिए जरिया

विदर्भ स्वाभिमान विशेष

अमरावती-हम सभी हर साल गणपती की स्थापना करते हैं, हमारे धर्म ग्रंथों के अनुसार महर्षि वेद व्यास ने महाभारत की रचना की.लेकिन इतना बड़ा ग्रन्थ लिखना उनके लिए कठिन था.अतः उन्होंने श्री गणेशजी की आराधना की और गणपति जी से महाभारत लिखने की प्रार्थना की.इसके साथ ही अंग्रेजों से लड़ने के लिए राष्ट्रीय एकता की भावना

मजबूत करने के लिए गणेशोत्सव की शुरूवात लोकमान्य तिलक द्वारा की गई. धार्मिक के साथ राष्ट्रीय एकता तथा राष्ट्रधर्म,संस्कृति,सनातन धर्म मजबूती का संदेश भी यह पर्व देता है. ऐसे में इसकी पवित्रता कायम रखते हुए इसे केवल मौज-मस्ती का पर्व नहीं समझते हुए इस पर्व की पवित्रता का ध्यान सभी को देना चाहिए. महर्षि वेद व्यास के विचार को गणपतीजी ने सहमति दी.उन्होने भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को श्रद्धा से भगवान गणेश जी को आमंत्रित किया. उनको बैठेने को आसन देकर उनका पूजन किया और उनको उनका मनपसन्द भोजन का भोग लगाया. गणेशजी ने प्रसन्न हो कर दिन-रात बिना रुके लेखन कार्य प्रारम्भ कर दिया.इस कारण गणेशजी को थकान होने लगी और गणपतीजी के शरीर का तापमान भी बढने लगा. इसलिए वेदव्यास ने उनके शरीर पर गीली मिट्टी का लेप किया.मिट्टी का लेप सूखने पर गणेशजी के शरीर में अकड़न आ गई, इसी कारण गणेशजी का एक नाम पर्थिव गणेश भी पड़ा.सम्पूर्ण महाभारत का लेखन कार्य 10 दिनों तक चल कर आखिर अनंत चतुर्दशी को लेखन कार्य संपन्न हुआ.वेदव्यास ने देखा कि गणपती का शारीरिक तापमान फिर भी बहुत बढ़ा हुआ है और उनके शरीर पर लेप की गई मिट्टी सूखकर झड़ रही है, तो वेदव्यास ने उन्हें पानी में डाल कर शीतल किया.तभी से गणपती स्थापना करने की प्रथा चल पड़ी.इन दस दिनों में इसीलिए गणेशजी का पूजन कर उनकी पसंद के फल-फूल दूर्वा ओर विभिन्न भोज्य पदार्थ भी अर्पित किए जाते है.अनंत चतुर्दशी को वेदव्यास जी ने गणेश जी को प्रेम श्रद्धा से देवलोक के लिए विदा कर दिया .

गुणवत्ता *विश्वसनीयता* *तत्पर सेवा*

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048